केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड का पुनर्गठन किया जाना

7592. श्री सत्य प्रकाश मालवीय :
श्री अनन्त राम जायसवाल :

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री 3 मई, 1994 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 5506 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड का पुनर्गठन करने अथवा इस बोर्ड में कुछ बदलाव करने पर विचार कर रही है ताकि हिंसा और सैक्स के दृश्यों को सेंसर किया जा सके ; और

(ख) यदि हां, तो उक्त बोर्ड का गठन का स्वरूप क्या होगा और इसका गठन कब तक किया जायेगा और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है जबकि सैक्स व हिंसा से भरपूर दृश्यों के लिए फिल्म सेंसर बोर्ड ही प्रमुख रूप से जिम्मेदार है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) और (ख) वर्तमान केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्य 7.10.91 से 3 वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किए गए थे। अक्तूबर, 1994 में वर्तमान सदस्यों का कार्यकाल समाप्त होने पर इस बोर्ड का पुनर्गठन किए जाने का प्रस्ताव है। इस बोर्ड में एक अध्यक्ष तथा 12 से कम और 25 से अधिक सदस्य नहीं होते। इसमें समाज-विज्ञान, कानून, शिक्षण, कला आदि जैसे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति ही जो केन्द्र सरकार को राय में लोगों पर फिल्मों का प्रभाव आंकने में सक्षम सदस्य के रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के निरीक्षण एवं संशोधन पैनल चलचित्र अधिनियम, 1952 के उपबंधों तथा इसके अधीन जारी दिशा-निर्देशानुसार, जनप्रदर्शनार्थ आशयित फिल्मों की जांच करता है। इन दिशा-निर्देशों में अन्य बातों के साथ-साथ अश्लीलता तथा अति कामुकता और हिंसा को नियंत्रित करने के लिए उपबंध हैं। फिल्म प्रमाणन अपीलीय न्यायाधिकरण में बोर्ड के निर्णयों पर अपील की जा सकती है।

Availability of Doordarshan Programmes in Remote Areas

7593. SHRI DIGVIJAY SINGH:
SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Doordarshan's National Channel Programmes are not reaching the remote towns and villages in the country;

(b) if so, what are the reasons therefor and what steps Government propose to take to provide Doordarshan's National Channel Programmes to remote towns and villages stating the number of such villages in the country, which do not avail such facility; and

(c) what is the workwise plan budget of Doordarshan for the year 1994, stating the outcome of work done within the plan budget of Doordarshan so far?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) and (b) No, Sir. Whereas the National Channel Programmes could be received in any part of the country including remote towns and villages through satellite mode, TV service, at present, is available to 81.4 per cent of rural population terrestrially. With a view to strengthen TV service, a large number of TV transmitters of varying powers are under implementation envisaged to be set up in the country. On their commission-